

प्रेषक,

अंजली प्रसाद,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड।

संस्कृति, खेल एवं युवा कल्याण अनुभाग -

देहरादून दिनांक : 23 जुलाई, 2009

विषय :-12 वें वित्त आयोग के अंतर्गत राज्य के संरक्षित/संरक्षणाधीन स्मारकों/स्थलों के जीर्णोद्धार हेतु धनराशि अवमुक्त किए जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1780/स0नि0उ0/दो-3/2008-09 दिनांक-11 दिसम्बर, 2008 एवं पत्र संख्या-332/स.नि.उ./दो-3/2008-09 दिनांक- 20-2-09 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय, बाहरवें वित्त आयोग के अंतर्गत राज्य के 09 संरक्षित एवं संरक्षणाधीन स्मारकों/स्थलों के जीर्णोद्धार कार्य को पूर्ण किये जाने हेतु उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, देहरादून द्वारा प्रस्तुत आगणन के तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुत धनराशि रु0 1,15,02,000/- लाख (रु0 एक करोड़ पन्द्रह लाख दो हजार मात्र) की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए रु0 50,00,000/- (रु0 पचास लाख मात्र) (जिसमें से रु0 16.67 लाख पुनर्विनियोग के माध्यम से संलग्न बी.एम.-15 प्रपत्र के अनुसार) आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों के अधीन व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र0सं0	स्मारक/ स्थलों का नाम	आगणन की धनराशि	टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत धनराशि	स्वीकृत धनराशि
1.	प्राचीन शिवमन्दिर समूह धल, पिथौरागढ़	32.69	29.40	8.00
2.	एक हथिया देवालय अलमियाँ गाँव, पिथौरागढ़	8.19	7.38	5.00
3.	नन्दा देवी मंदिर, अल्मोड़ा	15.31	14.04	6.04
4.	श्री राम मंदिर नारायण काली, अल्मोड़ा	14.01	12.95	6.00
5.	शिवालय, महड, रुद्रप्रयाग	14.97	13.63	6.00
6.	शिवालय कुखड़गाँव, पौड़ी गढ़वाल	19.69	17.74	6.00
7.	वैष्णव मंदिर देवल, पौड़ी गढ़वाल	8.58	7.40	5.00
8.	शिव मंदिर समूह पैठाणी, पौड़ी गढ़वाल	5.65	4.96	4.96
9.	नगर गाँव के मंदिर, पौड़ी	8.36	7.52	5.00
	योग-	127.46	115.02	50.00

i) आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरे शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक है।

ii) कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधानित स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधानित स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय एवं सामग्री कय करने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008 का पालन कराना सुनिश्चित करें।

iii) उक्त धनराशि संगत लेखाशीर्षक के लघुनिर्माण कार्य एवं अनुरक्षण मानक भद से नियमानुसार बहन किया जायेगा।

iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

iv) एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।



- v) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- vi) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भू-मापि निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ताओं से अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय। निर्माण कार्य के न्यूनतम तीन चरणों के छायाचित्र निर्माण ईकाई द्वारा वित्तीय/भौतिक प्रगति के साथ उपलब्ध कराये जायेंगे, यथा निर्माण कार्य के पूर्व का रिक्त भूमि का चित्र निर्माण के मध्य का चित्र व पूर्ण निर्मित योजना का चित्र।
- vii) आंगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।
- ix) जी.पी.डब्ल्यू. फार्म की शर्तों के अनुसार निर्माण ईकाई को कार्य सम्पादित करना होगा, तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आंगणन की कुल लागत का निर्माण ईकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- x) परीक्षित आंगणन की एक प्रति संलग्न है।
- xi) टी.ए.सी. द्वारा लगयी गयी शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- xii) कार्यों की निर्धारित समय सारिणी के अनुसार प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुए समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। अनुमोदित कार्य योजना का कार्य प्रत्येक स्थिति में 31-3-10 तक पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- xiii) वित्तीय वर्ष 2008-07 में अवमुक्त धनराशि के उपयोगिता प्रमाण-पत्र उत्तराखण्ड शासन एवं भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप पर तत्काल प्रेषित किये जाय।
- xiv) मुख्य सचिव उत्तरांचल के शासनादेश सं०-2047 XII -219/(2008) दिनांक 30 मई 2008 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आंगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2205-कला एवं संस्कृति-00-104-अभिलेखागार-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना -0103-12 वें वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान- 29-अनुसूचक मानक मद के आयोजनागत पक्ष (संलग्न बी.एम. -15 के अनुसार संगत नाम में डाला जायेगा।
2. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-199 (पी)/XXXVII (3)/2009 दिनांक-14 जुलाई 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।
- संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(अंजली प्रसाद)
सचिव

पृष्ठांकन संख्या- /VI-I/2009-6(28)/2008/तददिनांकित।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० संस्कृति मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़/अल्मोड़ा/चम्पावत/रूद्रप्रयाग/पीड़ी गढ़वाल/चमोली।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
6. वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
7. एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
8. उप निदेशक, निर्माण, उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन मण्डी, देहरादून।
9. मीडिया सेंटर।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(अंजली प्रसाद)
अनुसचिव